

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमति शाह ने झारखंड के देवघर में IFFCO नैनो यूरिया प्लांट के पाँचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शलान्यास किया

चर्चा में क्यों?

4 फरवरी, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमति शाह ने झारखंड के देवघर में विश्व के पहले इफको (IFFCO) नैनो यूरिया प्लांट के पाँचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शलान्यास किया।

प्रमुख बंदि

- केंद्रीय मंत्री अमति शाह ने कहा कि नैनो यूरिया की देवघर इकाई बनने से यहाँ प्रतविर्ष लगभग 6 करोड़ तरल यूरिया की बोतलों का नरिमाण किया जाएगा जिससे इसके आयात पर हमारी नरिभरता कम होगी और भारत इस क्षेत्र में आत्मनरिभर बनेगा।
- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 500 ग्राम की एक छोटी सी बोतल यूरिया के एक पूरे बैग का वकिल्प बनेगी। केमकिल फर्टिलाइजर भूमि में उपस्थति कुदरती खाद बनाने वाले केंचुओं को मार देता है वहीं तरल यूरिया का छड़िकाव करने पर भूमि किसी भी प्रकार से वषिकात् नहीं होगी।
- उन्होंने कहा कि किसानों की सहकारिता से बने इफको नैनो यूरिया में सर्वप्रथम तरल नैनो यूरिया बनाया और अब डीएपी (डी-अमोनियम फॉस्फेट) की ओर आगे बढ़ रहा है। यह भारत और पूरे सहकारिता क्षेत्र के लिये गौरव की बात है। प्रधानमंत्री ने सहकारिता को बढ़ावा देने के लिये बजट में कई योजनाओं की घोषणा की। इसके तहत उत्पादन के क्षेत्र में नई सहकारिता इकाईयों के लिये इनकम टैक्स की दर 26% से घटाकर 15% कर दी गई है।
- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज लगभग 5 देशों में तरल यूरिया का नरियात किया जा रहा है। इफको द्वारा बनाया गया यह तरल यूरिया न केवल भारत बल्कि विश्व के किसानों की भी मदद करेगा।
- उन्होंने कहा कि देवघर में 30 एकड़ में बन रहा तरल यूरिया का यह छोटा सा कारखाना आयातति 6 करोड़ यूरिया खाद के बैग के वकिल्प का नरिमाण करेगा जिससे भारत इस क्षेत्र में आत्मनरिभर बनेगा। इससे किसान की भूमि भी संरक्षति रहेगी और उत्पादन में भी वृद्धि होगी।
- अमति शाह ने समग्र पूर्वी भारत के किसानों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि तरल नैनो यूरिया का यह कारखाना न केवल झारखंड बल्कि बिहार, उड़ीसा और बंगाल के किसानों के खेतों में भी उत्पादन बढ़ाने में उपयोगी साबति होगा।